साई बाबा भजन-साँई तेरी ख़ातरि खुद पर
दु:ख को बोझ समझने वाले कौन तुझे समझाए
साँई तेरी ख़ातरि खुद पर कतिना बोझ उठाए कतिना बोझ उठाए

वो ही तेरे प्यार का मालकि
वो ही तेरे संसार का मालकि
हैरत से तू क्या तकता है
दीया बुझ कर जल सकता है
वो चाहे तो रात को दनि और दनि को रात बनाए
साँई तेरी ख़ातरि खुद पे कतिना बोझ उठाए 2

तन में तेरा कुछ भी नहीं है
शाम सवेरा कुछ भी नहीं है
दुनिया की हर चीज़ उधारी
सब जाएंगे बारी-बारी
चार दनि के चोले पर काहे इतना इतराए
साँई तेरी ख़ातरि खुद पर कतिना बोझ उठाए 2

देख खुला है इक दरवाज़ा
अंदर आकर ले अंदाज़ा
पोथी-पोथी खटकने वाले
पड़े हैं तेरी अक्ल पे ताले
कब लगते हैं हाथ कसिी के चलते फरिते साए
साँई तेरी ख़ातरि खुद पर कतिना बोझ उठाए